

व्यय कदापि न किया जाय।

3. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक

जाय।

2. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया

होगा। तदोपरान्त ही आगमन की स्वीकृति मान्य होगी।

1. आगमन में उल्लिखित दरों का विवरण विमान के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों को तथा जो दरें डिजिटल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन कराना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगमन की स्वीकृति मान्य होगी।

की सहित स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(कृपय पैरालीस लाख मात्र) की धनराशि अधोवर्तिता शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने प्रदान करते हुये चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में उक्त कार्य हेतु प्रथमतः कृपय 45.00 लाख लाख (कृपय एक करोड़ चौबीस लाख साठ हजार मात्र) की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति उपलब्ध करायें गये आगमन की तकनीकी परीक्षणोपरान्त, औचित्यपूर्ण धनराशि कृपय 124.60 निर्माण कार्य हेतु कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि. श्रीनगर इकाई द्वारा निर्देशालय प्राविधिक शिक्षा उत्तराखण्ड श्रीनगर(पीडी) में आवासीय एवं अनावासीय भवनों के 05 फरवरी 2007 के कम में भुंझ यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 4315/नि.प्रा.शि./प्लान-छ.-18/2006-07 दिनांक महोदय,

निर्माण हेतु धनराशि अवयुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

विषय:-निर्देशालय प्राविधिक शिक्षा उत्तराखण्ड श्रीनगर में आवासीय एवं अनावासीय भवनों के

शिक्षा अनुभाग-8 (तकनीकी) देहरादून: दिनांक 21 मार्च, 2007

सेवा में,
निर्देशक
उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा
श्रीनगर गढ़वाल

राजेश सिंह,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन

प्रेषक,

संख्या-126/XXIV(8)/07-62/2006

आयोजनगत

4. एक मूल प्राध्यान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकायी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाय।
5. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशेष्ययों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
6. कार्य करने से पूर्व समस्त स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुरूप कार्य किया जायें।
7. आगमन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
8. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग लाया जाए।
9. जी.पी.डब्ल्यू फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण ड्रकाई को कार्य सम्पादित करना होना तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगमन की कुल लागत का निर्माण ड्रकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
10. उत्तराखण्डशासन के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30 मई 2006 द्वारा निर्मित आदेशों के कम में कार्य कराने समय अथवा आगमन गठित करते समय ड्रकाई से पालन किया जाय।
11. धनराशि का व्यय मिलव्योता के नियमों का पालन करते हुये निर्धारित परिव्यय की सीमा तक ही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
12. उक्त कार्य की लागत किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं की जायेगी तथा धनराशि का व्यय निर्धारित परिव्यय की सीमा तक ही किया जायेगा। प्रस्तुत आगमन का तकनीकी परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण आगमन धनराशि का विवरण संलग्न कर प्रेषित है।
13. उक्त कार्य की शर्त पाटी से गुणवत्ता/प्रगति की जाँच हेतु व्यवस्था की जायेगी तथा उक्त पर होने वाला व्यय सैन्ट्रल वार्जल के सापेक्ष वहन किया जायेगा।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक: 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पुँजीगत परिव्यय-02-तकनीकी शिक्षा-आयोजनागत-104-बहुविध-15-प्राविधिक शिक्षा निदेशालय हेतु भूमि कय/भवन निर्माण के मानक मद 24-वृहत निर्माण कार्य, के नामे खाला जायेगा।

(राजेश सिंह)
उप सचिव
भवदीय,

संलग्नक: यथोपरि

3- यह आदेश वित्त विभाग के अध्यासकीय संख्या:- 1116/XXvi(3)/2007 दिनांक 20 मार्च 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहा है।

- संख्या एवं दिनांक तदैव:-
- प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित:-
- 1 महालेखाकार उत्तराखण्ड माजरा, देहरादून।
 - 2 आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
 - 3 निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
 - 4 जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
 - 5 कोषाधिकारी, श्रीनगर(पौड़ी), उत्तराखण्ड।
 - 6 वित्त(अथ निबंधक) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग।
 - 7 राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
 - 8 बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय परिसर देहरादून।
 - 9 परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश रा.नि.नि. श्रीनगर गढ़वाल उत्तराखण्ड।
 - 10 गाई फाईल।

(संजीव कुमार शर्मा)
अनु सचिव